राज्यपाल सचिवालय

लोकभवन, राजस्थान

राज्यपाल ने आदिवासी गांव देवल खास पहुंचकर "विकसित भारत संकल्प अभियान" के तहत "नशा मुक्त युवा" शपथ दिलाई

राज्यपाल ने योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण का किया आह्वान

डूंगरपुर/जयपुर, 6 अगस्त। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देशभर में आरम्भ "नशामुक्त भारत" को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुरुवार को राजस्थान के डूंगरपुर जिले के सुदूर आदिवासी गांव देवल खास पहुंचकर वहां "विकसित भारत संकल्प अभियान" के तहत "नशा मुक्त युवा" शपथ दिलाई।

राज्यपाल श्री बागडे ने आमजन से संवाद करते हुए किसानों एवं काश्तकारों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उनके अंतर्गत दिए जाने वाले अनुदानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिन पात्र काश्तकारों को योजनाओं का लाभ अभी तक प्राप्त नहीं हो रहा है, वे अपने क्षेत्र के संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर योजनाओं का लाभ अवश्य प्राप्त करें। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए आमजन से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने उपस्थित नागरिकों से नशा नहीं करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं नशे से दूर रहे तथा अन्य लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करे। परिवार के मुखिया के नशा करने से पूरे परिवार को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नशा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। इसलिए सभी के संयुक्त प्रयासों से नशे की प्रवृत्ति को समाप्त कर स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है। उन्होंने बप्पा रावल, महाराणा प्रताप एवं राणा सांगा का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने अनुशासन, संयम एवं दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र और समाज की रक्षा की। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी को भी नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा ही गरीबी दूर करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। जब तक प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक गरीबी का स्थायी समाधान संभव नहीं है। शिक्षित समाज ही समृद्ध, सशक्त एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला।कार्यक्रम में मां की उड़ान संस्थान, राजीविका की महिलाओं ग्राम पंचायत प्रशासक पाल गामड़ी, छात्र युवाओं एवं आमजन ने नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में एवं नशा मुक्त समाज निर्माण करने संबंधित संवाद किया गया।